

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

मुक्तस्वाध्यायपीठम्

शैक्षिकविकासकेन्द्रम्, राजीवगान्धीपरिसरः, शूङ्गेरी

आचार्यः / ACHARYA (M.A.)

दर्शनम्

प्रथमवर्षम्

| कक्षा | सत्रार्थम् | पाठ्यप्रकारः | पाठ्यक्रमविवरणम् | शिक्षाङ्कः (credit s) |
|-------------------|------------|--------------|--|-----------------------|
| आचार्यप्रथमवर्षम् | प्रथमम् | DSCC 16 | <ul style="list-style-type: none"> ● न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (आदितः प्रत्यक्षखण्डान्तः) <ul style="list-style-type: none"> ➢ मङ्गलवादः ➢ ईश्वरानुमानम् ➢ पदार्थनिरूपणम् ➢ तमसोऽतिरिक्तद्रव्यत्वखण्डनम् ➢ प्रत्यक्षनिरूपणम् | 4 |
| | | DSCC 17 | <ul style="list-style-type: none"> सांख्यसूत्राणि (सांख्यप्रवचनभाष्यसहितम्) <ul style="list-style-type: none"> ➢ दुःखनिवृत्युपायानां विचारः ➢ बन्धहेतुनिरूपणं तत्रिवृत्युपायान्नं ➢ साङ्ख्योक्तपदार्थविमर्शः प्रमाणपर्यालोचनञ्च ➢ साङ्ख्यशास्त्रोक्ताः प्रमुखसिद्धान्ताः | 4 |
| | | DSCC 18 | <ul style="list-style-type: none"> योगदर्शनम् (व्यासभष्यसहित- समाधिसाधनपादौ) <ul style="list-style-type: none"> ➢ चित्तवृत्तयः पञ्चकलेशाः च ➢ अभ्यासः वैराग्यं च ➢ ईश्वरस्वरूपम् ➢ फलसहिताः समाधिभेदाः ➢ कलेशनाशस्योपायाः ➢ दृगदृश्यस्वरूपविवेकः ➢ अविद्यायुक्तप्रकृतपुरुषस्वरूपम् ➢ अष्टाङ्गयोगानुष्ठानम् ➢ यमनियमाः | 4 |
| | | DSCC 19 | <ul style="list-style-type: none"> जैनबौद्धदर्शने (विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः) <ul style="list-style-type: none"> ➢ दुःखानुभवः ➢ संज्ञा ➢ चेतना ➢ वेदना | 4 |

| | | | | |
|-----------|---------|------------------|--|----|
| | | | > धर्मः | |
| | | AECC 4 AEEC 4 | विविधशास्त्रप्रमेयपरिचयः (विविधानं भारतीयशास्त्राणां परिचयः) | 4 |
| | | ECA 1 | पाठ्येतर-गतिविधयः, नाटकम् (नाटके भागग्रहणम्/ विश्लेषणम्/ संस्कृते लघुच्छिन्निर्माणम्), सङ्गीतस्पर्धा (क्विज) , संस्कृतकार्यक्रमाणाम् आयोजने/प्रबन्धने/प्रचारे सक्रियसहयोगः इत्यादिः । | 2 |
| | | | प्रथमसत्रार्धस्य शिक्षाङ्कयोगः | 22 |
| द्वितीयम् | DSCC 20 | | <ul style="list-style-type: none"> • न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानशब्दखण्डाः) > अनुमितिनिरूपणम् > अनुमितिकारणविचारः > पूर्वपक्षव्याप्तिनिरूपणम् > सिद्धान्तव्याप्तिनिरूपणम् > हेत्वाभास सामान्यनिरूपणम् > हेत्वाभासविशेषनिरूपणम् > उपमाननिरूपणम् > शाब्दबोधनिरूपणम् > शक्तिनिरूपणम् > शक्तिप्रहोपापनिरूपणम् > लक्षणानिरूपणम् > आसक्तिनिरूपणम् > योग्यतानिरूपणम् > आकाङ्क्षानिरूपणम् > तात्पर्यनिरूपणम् | 4 |
| | DSCC 21 | | <ul style="list-style-type: none"> योगदर्शनम् (व्यासभाष्यसहित- विभूतिकैवल्यपादौ) > ध्यानधारणासमाधयः > भुवनताराब्युहादिज्ञानम् > चितैकाग्रतापरिणामः > सम्प्रज्ञातासम्प्रज्ञातसमाधिः > सिद्धिहेतवः > ध्यानसंस्काराः > कर्मफलप्राप्तिप्रकाराः > योगसिद्धान्तः > धर्ममेघसमाधिः कैवल्यावस्थानिरूपणञ्च | 4 |
| | DSCC 22 | | <ul style="list-style-type: none"> उपनिषद्ग्राम्यम् (माण्डूक्योपनिषत्+माण्डूक्यकारिकायाम् आगमप्रकरणम्) > आत्मनः चतुष्पात्त्वम् | 4 |

| | | | |
|--|--------------|---|----|
| | | <ul style="list-style-type: none"> ➢ अक्षरोपासनम् ➢ उपासनाफलभेदः। ➢ कारिकायां स्वारस्यम्। | |
| | DSCC 23 | <p>सर्वदर्शनसङ्घहस्य चित्ताः स्वारस्यपूर्णाः विचाराः। (न्यायवैशीषिकसाङ्गत्ययोगदर्शनानां)</p> <ul style="list-style-type: none"> ➢ परमाणवारभवादः ➢ असत्कार्यवादः ➢ ख्यातिवादः ➢ प्रकृतिविचारः ➢ योगात् समाधिसिद्धिः | 4 |
| | AEEC 5 | <ol style="list-style-type: none"> १. विविधशास्त्रप्रमाणविचारः २. शब्दशक्तिविचारः, शब्दार्थविचारः ३. शास्त्रपारिभाषिकपदपरिचयः ४. पद्य/गद्यरचनाकौशलम् | 6 |
| | INTERNSHIP 4 | मुक्तस्वाध्यायपीठेन अनुमते प्रशिक्षणात्मके / सेवात्मके कार्यक्रमे भागग्रहणम् | 6 |
| द्वितीयसत्रार्धस्य शिक्षाङ्कयोगः | | | 28 |
| आचार्यप्रथमवर्षस्य सत्रार्धयोः सम्पूर्णशिक्षाङ्कयोगः | | | 50 |
| आचार्यप्रथमवर्षान्ते निष्क्रमणसमये प्राप्तव्योपाधिः | | स्नातकोत्तरदक्षता - (PG Diplomaa) | |

द्वितीयवर्षम्

| कक्ष्या | सत्रार्धम् | पाठ्यप्रकारः | पाठ्यक्रमविवरणम् | शिक्षाङ्कः (credit s) |
|---------------------|------------|--------------|---|-----------------------------|
| आचार्यद्वितीयवर्षम् | तृतीयम् | DSCC 24 | <p>ब्रह्मसूत्रम्-शाङ्करभाष्यम् (चतुर्सूत्यन्तः भागः)</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ जिज्ञासाधिकरणम्। ➤ जन्माधिकरणम्। ➤ शास्त्रयोनित्त्वाधिकरणम्। ➤ समन्वयाधिकरणम्। | 4 |
| | | DSCC 25 | <p>शाबरभाष्यम्, तर्कपादः</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ धर्मविचारः, धर्मे प्रत्यक्षप्रमाणयगम्यत्वं ➤ धर्मऽनुमानादिप्रमाणयगम्यत्वं विविधवादखण्डनं ➤ शब्दनित्यत्वाधिकरणम् ➤ वेदस्य पौरवेयत्वमिति पूर्वपक्षः ➤ वेदापौरवेयत्वाधिकरणम् | 4 |
| | | DSCC 26 | <p>रामानुजदर्शनम्, काश्मीरशैवदर्शनं च।</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ रामानुजदर्शनम् (आदितः अज्ञानस्यभावरूपत्वखण्डनं यावत्। ➤ तत्त्वमसीति प्रकरणादरभ्य तत्तु समन्वयात् इति यावत्। ➤ पराप्रवेशिका संवित्प्रकरणादारभ्य उपायकथनं यावत्। ➤ षट्-त्रिंशतत्त्वसन्दोहः:- काश्मीरशैवदर्शनतत्त्वानुशीलनम् | 4 |
| | | DSCC 27 | <p>सर्वदर्शनसङ्घहस्य चिताः स्वारस्यपूर्णाः विचाराः(पूर्वोत्तरमीमांसयोः)।</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ कर्मशास्त्रे मतभेदाः। ➤ ख्यातिवादाः। ➤ वेदान्तदर्शनस्य विविधाः धाराः।(मतभेदाः, वादसरणिः) | 4 |
| | | A E C C 6 | पाण्डुलिपिविज्ञानम् | 4 |
| | | ECA 2 | पाठ्येतर-गतिविधयः, नाटकम् (नाटके भागग्रहणम्/ विश्लेषणम्/ संस्कृते | 2 |

| | | | | |
|---|------------------------------|--|---|----|
| | | | लघुचलच्चित्रनिर्माणम्) , स्फूर्तिस्पर्धा (किंवज) , संस्कृतकार्यक्रमाणाम् | |
| | | | आयोजने/प्रबन्धने/प्रचारे सक्रियसहयोगः इत्यादि: | |
| तृतीयसत्रार्थस्य शिक्षाङ्क्योगः | | | | 22 |
| चतुर्थम् | DSCC 28 | | दर्शनेषु मोक्षविचारः। ➤ सर्वेषां दार्शनिकानां मतालोचनपूर्वकम् | 4 |
| | DSCC 29 | | शास्त्रविमर्शः-निबन्धश्च। | 4 |
| | DSCC 30 | | अनुसन्धानपद्धतिः | 4 |
| | Dissertation | | दर्शनशास्त्रसम्बद्धः अभीष्टविषयकः लघुशोधप्रबन्धः | 6 |
| | ECA 3 | | पाठ्येतर-गतिविधयः , नाटकम् (नाटके भागग्रहणम्/ विश्लेषणम्/ संस्कृते लघुचलच्चित्रनिर्माणम्) , स्फूर्तिस्पर्धा (किंवज) , संस्कृतकार्यक्रमाणाम् आयोजने/प्रबन्धने/प्रचारे सक्रियसहयोगः इत्यादि: | 2 |
| चतुर्थसत्रार्थस्य शिक्षाङ्क्योगः | | | | 20 |
| आचार्यद्वितीयवर्षस्य सत्रार्थयोः सम्पूर्णशिक्षाङ्क्योगः | | | | 42 |
| आचार्यद्वितीयवर्षान्ते निष्क्रमणसमये प्राप्तव्योपाधिः | आचार्यः (स्नातकोत्तरोपाधिः) | | | |

अध्यापकानां नामानि

हस्ताक्षरम्

1) Ananthakrishna.

2) RAHUL RASASHEKURA BHAT

3) MANABENDRA MANDAL

4) Sidharth Shankar Pandal